प्रदर्शन की योजना (Demonstration Plan)

उद्देश्य : इस पाठ के अन्त में आप निम्नलिखित कार्य करने योग्य होंगे :

- **प्रदर्शन की परिभाषा**
- **प्रदर्शन का उद्देश्य की व्याख्या करना**
- **प्रदर्शन की योजना क्या है और प्रशिक्षण के लिए इसकी आवश्यकता क्यों है बताए**
- **प्रदर्शन योजना के प्रारूप के तत्वों का वर्णन करना**
- **प्रदर्शन से पहले, दौरान और बाद में किए जाने वाले प्रमुख बिंदुओं को सूचीबद्ध करें**
- **कौशल विकास में खुलेरूप से बात और उसके चरणों की आवश्यकता का विश्लेषण करें।**

प्रस्तावना (Introduction)

योजना एक महत्त्वपूर्ण मार्गदर्शिका है, जिसे प्रशिक्षक को अग्रिम रूप से जारी रखना चाहिए ताकि मामले (ज्ञान या कौशल) को एक सही क्रम में प्रस्तुत किया जा सके। शिक्षण कौशल में निम्नलिखित कदम एक सबक सिखाने के समान है। भले ही सबक सिखाने के लिए बहुत सारे तरीके उपलब्ध है, लेकिन "प्रदर्शन विधि" केवल एक ही तरीका है जिससे कौशल को व्यवस्थित तरीके से सिखाया जा सकता है। इस प्रक्रिया में प्रशिक्षक को यह बताना होता है कि "वह क्या करने जा रहा है और फिर उसे खुद भी यह करना होगा कि वह शिक्षार्थियों के सामने एक कार्यकर्ता की तरह दिखें"

प्रदर्शन (Demonstration)

प्रदर्शन एक प्रयोग के वैज्ञानिक सिद्धांत के आधार पर एक व्यवस्थित क्रमबद्ध क्रम में शिक्षार्थियों (प्रशिक्षुओं) को कौशल तत्वों को पढ़ाने का एक नियोजित प्रदर्शन है।

प्रदर्शन के उद्देश्य (Purpose of demonstration)

- यह सीखने वाले को ध्यान केन्द्रीत करने और उनकी अवलोकन शक्ति विकसित करने में मदद करता है।
- कौशल शिक्षण सीखने की प्रक्रिया को एक कदम से कदम में व्यवस्थित तरीके से सुरक्षा औजार, उपकरणों, उपकरणों को संभालने के साथ-साथ आत्मसुरक्षा और अन्य लोगों की सुरक्षा में सावधानी बरती जाती है।
- यह कौशल शिक्षण और कौशल विकास गतिविधियों की दक्षता को बढ़ाता है क्योंकि यह कौशल जानकारी को ठोस अनुप्रयोग देती है।
- प्रशिक्षक द्वारा की गई स्टेप वाय स्टेप गतिविधियों का सचित्र चर्चा या मौखिक स्पष्टीकरण से दिलचस्प और सार्थक हो जाती है।
- प्रदर्शन तब होता है जब शिक्षार्थियों के पास वास्तविक अभ्यास में सिद्धांतों को जोड़ने का कठिन समय होता है या जब शिक्षार्थी जटिल अवधारणाओं के अनुप्रयोग को समझने में असमर्थ होते हैं।

- प्रदर्शन द्वारा कौशल सीखना एक विशेषज्ञ (प्रशिक्षक) से नौसिखिए (प्रशिक्षु) के लिए कौशल हस्तांतरण करने के लिए एकमात्र सर्वोत्तम प्रक्रिया या विधि है।

प्रदर्शन योजना (Demonstration plan)

यह प्रशिक्षक के लिए एक योजनाबद्ध तरीके से शिक्षार्थियों के व्यवसायिक विशिष्ट शारीरिक कौशल को विकसित करने के लिए, कौशल सिखाने के लिए, एक प्रदर्शन का आयोजन करने के लिए मार्गदर्शन की योजना है। प्रदशर्न योजना प्रारूप चार चरणों वाले अध्याय योजना प्रारूप के समान है।

- तैयारी
- प्रदर्शन (प्रस्तुति)
- अनुकरण (अनुप्रयोग) और
- अभ्यास/मूल्यांकन (परीक्षण)

कौशल शिक्षण चक्र Fig 1. में दिखाया गया है

Fig 1

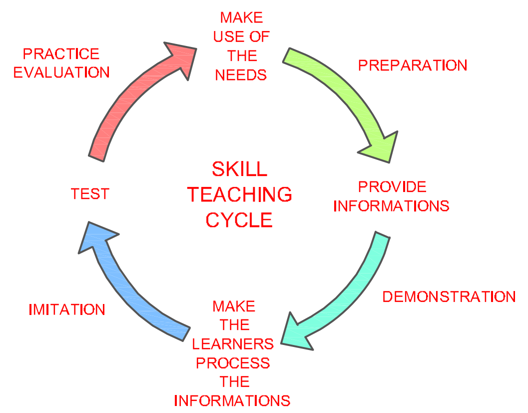

FOUR STEPS OF DEMONSTRATION

SPT040501

नमूना प्रदर्शन प्रारूप संदर्भ के लिए दिया गया है और प्रत्येक तत्व का विवरण निम्नानुसार है।

प्रदर्शन योजना (DEMONSTRATION PLAN)

नाम ....प्रवेश क्रं ....

व्यवसाय ....दिनांक ....

सेमेस्टर .... प्रदर्शन क्रं .... सप्ताह क्रं .... आवश्यक समय ....

I तैयारी

a कौशल : ....

....

b उद्देश्य : इस प्रदर्शन के समाप्ति पर प्रशिक्षार्थी सक्षम होंगे

1 ....

2 ....

3 ....

4 ....

c आवश्यक औजार और उपकरण

....

....

d आवश्यक सामग्री

....

....

e प्रस्तावना

i **समीक्षा :**

ii **प्रेरणा :**

II प्रदर्शन (प्रस्तुति)

प्रक्रिया (करना)	सूचना बिंदु / सुरक्षा सावधानी	तत्काल संकेत (करने के लिए पूछे) (बताए / दिखाएं)

PLANNING FOR INSTRUCTION

प्रक्रिया (करना)	सूचना बिंदु / सुरक्षा सावधानिया (बताए / दिखाएं)	तत्काल संकेत (करने के लिए कहे)

III अनुकरण (अनुप्रयोग)

a ....

b ....

सारांश ....

....

IV अभ्यास/मूल्यांकन (परीक्षण)

....

अगला कौशल :

....

प्रदर्शन योजना के प्रारूप का वर्णन (Explanation of the Demonstration Plan format)

चरण 1: तैयारी (Preparation)

- कौशल शीर्षक...(विशेष कौशल को यहाँ भरी जानी चाहिए) यह एक कौशल होना चाहिए और इस प्रदर्शन को एक बार में 30 मिनट से अधिक नहीं करना चाहिए। प्रदर्शन को छोटा करें, इसका प्रभाव बेहतर होगा।

- **उद्देश्य (Objectives)**

  जैसा कि प्रदर्शन एक विशेष कौशल के लिए है, केवल एक उद्देश्य होगा। लेकिन, एक या दो अतिरिक्त उद्देश्य हो सकते है जो बहुत ही निकट से जुड़े हुए हैं और अलग-अलग नहीं है।

- **औजार और अन्य आवश्यकताएँ (Tools & other requirements)**

  यहाँ पर प्रदर्शन के संचालन के लिए कच्चे सामग्री, औजार, उपकरण, मापन/जाँच उपकरणों आदि की विभिन्न आवश्यकताओं को इंगित करें, ताकि प्रदर्शन शुरू होने से पहले इसे ठीक से व्यवस्थित किया जा सकें आपको आवश्यक वस्तुओं के विनिर्देश को सही ढंग से प्रस्तुत करने के लिए आवश्यक वस्तुओं और आवश्यक मात्रा के विनिर्दिश को सही ढंग से प्रस्तुत करना होगा।

- **प्रस्तावना (Introduction)**

  कौशल के वास्तविक प्रदर्शन शुरू करने से पहले, सीखने वालों को तैयार करने के लिए एक छोटी परिचयात्मक बात (समीक्षा) की जाती है।

  कौशल का महत्व, यह अन्य ज्ञात कौशल से कैसे संबंधित है और इस तरह की जानकारी से सीखने वालों में, कौशल सीखने की इच्छा (प्रेरणा) पैदा होगी।

चरण 2: प्रदर्शन (प्रस्तुति) [Demonstration (Presentation)]

इसके अंतर्गत तीन कॉलम है

- **प्रक्रिया (Procedure) :** अनुक्रम में कौशल के प्रदर्शन (कार्य करना) के वास्तविक चरण को यहाँ लिखा गया है।

- **सूचना बिंदु/सुरक्षा सावधानियाँ (Information points/safety precautions) :** इस चरण के खिलाफ, क्रमिक प्रक्रिया/ कोई भी जानकारी जैसे कि क्यों, क्या ? या कैसे ? (बताए और दिखाए) और महत्त्वपूर्ण सुरक्षा सावधानियाँ जो इस चरण पर प्रासंगिक हो सकता है उन्हें कैच शब्द-कुंजी शब्दों के उपयोग के रूप में लिखा गया है।

- **प्रश्न (Questions) :** ध्यान आकर्षित करने के लिए प्रश्न, सोच को उत्तेजित करना या जानकारी को याद रखना और प्रत्येक चरण के विरूद्ध समझ की जाँच करना।

चरण 3: अनुकारण (अनुप्रयोग) [Imitation (Application)]

प्रदर्शन समाप्त होने के बाद, शिक्षार्थियों को अवसर प्रदान किया जाता है, कौशल को स्वतंत्र रूप से स्वयं करने के लिए और प्रशिक्षक (अपनी गलती को सुधारना चाहिए, यदि कोई यहाँ और वहाँ) उन्हें सही और जल्दी से कौशल सीखने के लिए मार्गदर्शन करता है।

- **सारांश (Summary) :** कौशल के प्रदर्शन के क्रमिक चरणों में महत्त्वपूर्ण सूचना/सुरक्षा सावधानियाँ का सही पालन करना है और दोहराना है।

Step 4: अभ्यास/मूल्यांकन (परीक्षण) [Practice/Evaluation (Test)]

इस चरण में प्रशिक्षक शिक्षार्थियों को उपरोक्त कौशल का अभ्यास करने का अवसर प्रदान करना है कि वे सुरक्षा , सुरक्षा सावधानियों के बाद, पुनरावृत्ति के माध्यम से सटीकता की गति और गुणवत्ता प्राप्त करते है। इस चरण के दौरान प्रशिक्षक को प्रशिक्षु प्रदर्शन (कौशल) का मूल्यांकन करना होता है।

- **अगला कौशल (Next skill) :** यहां प्रदर्शित होने वाले अगले कौशल का शीर्षक लिखें।

अच्छी तरह से अपने काम की योजना बनाए और अपनी योजना को क्रियांवित करें (Well plan your work and work your plan)

प्रदर्शन तकनीक (Demonstration Technique)

एक हथौड़ा, एक स्क्रु ड्राईवर, एक साहुल एक सीधी धार के लिए या फाईलिंग के दौरान हाथ की बराबर स्थिति, एक प्रदर्शन के लिए रखना चाहिए। शिक्षार्थियों के साथ प्रदर्शन क्षेत्र पर आवश्यक औजार, उपकरणों, कच्चे सामग्री की व्यवस्था के साथ प्रशिक्षुओं से पहले सभी बुनियादी प्रभावी प्रदर्शन किया जाना चाहिए।

प्रभावी प्रदर्शन करने के लिए मुख्य बिंदु (Key points for conducting effective demonstration)

- प्रदर्शन की सफलता सुनिश्चित करने के लिए प्रशिक्षक, को योजना को पूरी तरह से और बहुत गंभीरता से तैयार करना चाहिए, प्रदर्शन से संबंधित सामग्री का संग्रह अग्रिम में स्वागत योग्य होना चाहिए।
- प्रदर्शनकर्ता को चरणों की सहज क्रम के साथ-साथ सटीकता परिणाम के लिए वास्तविक प्रदर्शन से पहले कई बार गतिविधि का पूर्वाभ्यास करना चाहिए।
- शिक्षार्थियों को प्रदर्शन क्षेत्र के आस-पास या कुछ दूरी पर व्यवस्थित करें। जहां वे पूरी तरह से देख पाएँगें कि Fig 2. में क्या दिखाया जा रहा है।

Fig 2

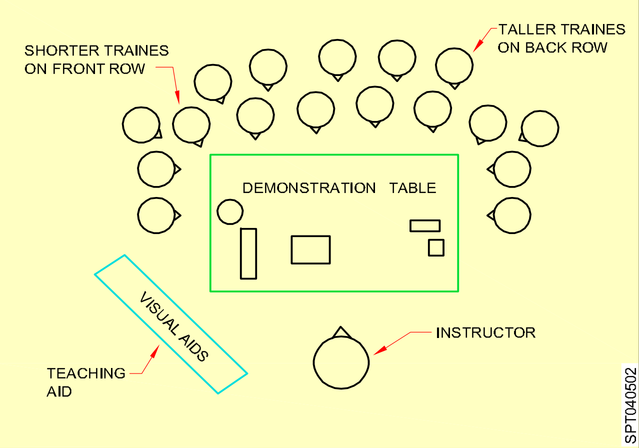

- प्रदर्शन योजना के अनुसार इसके उपयोग के चरण के अनुसार व्यवस्थित रूप से मेज पर प्रदर्शन योजना के लिए आवश्यक, औजार, उपकरण, कच्चे सामग्री आदि की व्यवस्था करें।
- गतिविधि के दौरान पर्यवेक्षकों का ध्यान और रूचि बनाए रखने के जगह को शांत होना चाहिए। विक्षेप से बचने के लिए, यदि कोई हो, तो प्रदर्शन क्षेत्रों से अप्रासंगिक वस्तुओं को हटा देना चाहिए।
- प्रदर्शन के दौरान, स्पष्ट भाषा का उपयोग किया जाना चाहिए ताकि शिक्षार्थी अनुदेशात्मक चरण को आसानी से समझ सकें।
- उन्हें अल्प टिप्पणियां लिखने या कुछ डेटा रिकार्ड करने की अनुमति है। जिसका विश्लेषण बाद में किया जा सकता दें।
- प्रशिक्षक प्रदर्शन के दौरान विभिन्न शिक्षण सहायक जैसे मॉडल, चॉक बोर्ड, ग्राफ आदि का उपयोग कर सकते है। यह शिक्षण सीखने को आसान बनाने में मदद करता है और स्थायी लर्निंग त्वरित होती है।
- प्रदर्शन के बाद शिक्षार्थियों को प्रशिक्षक द्वारा प्रदर्शित गतिविधि के चरण के सरल या जटिल भाग का अनुकरण करने के लिए शामिल होना चाहिए।
- प्रदर्शन के प्रकार पर निर्भर करते हुए, शिक्षार्थी का ध्यान केंद्रित करने और ध्यान भटकने से बचने के लिए पाइंटर्स या प्रश्नों का उपयोग किया जा सकता है।

जबकि वर्कशाप व्यवसाय अनुदेशक चारों ओर खड़े प्रशिक्षुओं के लिए प्रदर्शन टेबल की व्यवस्था करता है। व्यवसाय कम्प्यूटर अनुदेशक मल्टीमीडिया प्रोजेक्टर की सहायता से बड़ी स्क्रीन पर प्रदर्शित छवि को चरणबद्ध गतिविधियों के प्रभाव से प्रशिक्षुओं को आराम से बैठने और देखने की व्यवस्था कर सकता है। (Fig 3 और 4)

प्रत्येक व्यवसाय अनुदेशक को शिक्षार्थियों को हस्तांतरित करने के लिए विशिष्ट कौशल और उनकी जटिलता के अनुसार प्रदर्शन गतिविधियों की योजना और व्यवस्था करनी होती है।

अनुपालन या नकल करके सीखना एक बहुत ही मौलिक और सामान्य तरह से सीखना है। एक नौसिखिया कुशलकाम के क्षेत्र में एक विशेषज्ञ की नकल करता है। कोई किसी और के लिए एक मॉडल के रूप में कार्य करता है। आप प्रशिक्षक के रूप में अपने प्रशिक्षुओं के लिए अपने व्यवसाय के कुशल विशेषज्ञ के रूप में कार्य करते है। आपको हमेशा उसके बारे में पता होना चाहिए।

Fig 3

Fig 4

आपने पहचान लिया होगा कि आपके प्रशिक्षु (You will have recognized that your trainees)

- कभी-कभी गलत करते है, हांलाकि आप सही डिमास्ट्रेट करते है।
- कभी-कभी आपरेशन निष्पादित नहीं करते है, हांलाकि आपने अतीत में ऐसा किया था।
- कभी-कभी निष्पादित करता है, जो आप प्रदर्शित नहीं करते हो।
- इसे अलग तरीके से, कुछ तेज, कुछ धीमें प्रदर्शन करना चाहिए।
- आपरेशन को निष्पारित करने का अपना स्वयं का 'स्टाईल' विकसित करें।
- कभी-कभी अवलोकन योग्य व्यवहार की नकल करते यहाँ तक कि आदतों, दृष्टिकोणों और मूल्यों को विकसित करते है।
- कभी-कभी न केवल कौशल की नकल करते है बल्कि इसे संसोधित भी करते है और यदि नये अनुप्रयोग में स्थानांतरित करते है।

नकल या 'मॉडल सीखने' से सीखने के इन संभावित परिणामों को आसानी से समझा जा सकता है। यदि बुनियादी प्रक्रियाओं का संबंध 'नकल से सीखना' में शामिल है।

कौशल सीखना एक जटिल प्रक्रिया है जिसमें चार प्रक्रियाएँ शामिल है जैसे-

- ध्यान देने की प्रक्रिया (Attention process)
- प्रेरणा प्रक्रिया (Motivation process)
- संज्ञानात्मक प्रकिया (Cognitive process)
- मनोप्रेरणा प्रक्रिया (Psychomotor process)

सिर्फ प्रदर्शन द्वारा कौशल सिखाना, मौखिक (ऑडियो) के और दृश्य सपोर्ट के बिना परिणामस्वरूप एक अंधे नकल में परिणाम देगा संबंधों की समझ के बिना।

सफलता प्रदर्शन के लिए हमें योजना के चरण के दौरान कुछ बिंदुओं का पालन करना होगा और फिर हमें कुछ अन्य का पालन करना होगा, प्रदर्शन के बाद अंक और प्रासंगिक बिंदुओं पर विचार किया जाना चाहिए।

कौशल को सिखाने के लिए योजना बनाते समय विचार किए जाने वाले बिंदु (Points to be considered while planning to teach skill)

- उद्देश्यों में विशिष्ट होना चाहिए कि आप सीखने वाले से क्या अपेक्षा करते है या कौशल में दक्षता हासिल करना चाहते है।
- क्या मुख्य बिंदु है प्रदर्शन के दौरान स्पष्ट किए जाने वाले बिंदुओं की सूची बाहर किया जाना चाहिए।
- कवर किए जाने वाले चरणों के अनुसार समय की उपलब्धता।
- अग्रिम में सामग्री, औजार, उपकरण आदि की जांच करें। यह सुनिश्चित करने के लिए कि ये कार्य करने के लिए अच्छी स्थिति में है।
- प्रदर्शन की उपलब्धता की जाँच करें, ताकि शिक्षार्थियों को सही ढंग से प्रदर्शन का परीक्षण करने के लिए व्यवस्थित किया जा सकें।

II प्रदर्शन के दौरान निम्नलिखित बिंदु का पालन करें (Points to be followed during the demonstration)

- हमें प्रदर्शन (demonstration) के दौरान ऐसे औजार और उपकरणों का उपयोग करना चाहिए जो प्रदर्शन के बाद प्रशिक्षुओं द्वारा उनके अभ्यास के लिए उपयोग किए जाएंगे।
- सभी सुरक्षा सावधानियों का पालन करें और उनके महत्व पर जोर दें।
- एक चरणबद्ध क्रम में चरण से प्रदर्शन करें।
- शिक्षार्थी को तत्काल भागीदारी प्रदान करें।
- एक समय में प्रदर्शन का केवल एक तरीका अपनाएं।
- यदि शिक्षार्थी के मन में कोई संदेह हो तो उसे साफ करें।

III प्रदर्शन के बाद निम्नलिखित बिंदुओं का पालन करें (Points to be followed after the demonstration)

- अपने पर्यवेक्षक के तहत तत्काल अभ्यास के लिए सामग्री प्रदान करें।
- अपनी देखरेख के दौरान शिक्षार्थियों के संदेह या काम करने के गलत तरीके को सुधारें।
- हर समय सुरक्षा सावधानियों के पालन पर जोर दें।
- यदि आवश्यक हो तो व्यक्तिगत मतभेदों पर अधिक ध्यान दे, पुनः प्रदर्शन, कमजोर प्रशिक्षुओं के लिए किया जाना चाहिए।
- कौशल सीखने में प्रत्येक की प्रगति की जाँच/निरिक्षण करें।
- प्रशिक्षुओं को उनके द्वारा की गई गलतियों का पता लगाएं और बताएं।
- प्रत्येक व्यक्ति में रूचि दिखाएं।

खुलकर बात (Shop Talk)

शॉप टॉक भी शिक्षण पद्धति का एक अन्य प्रकार है लेकिन इसके द्वारा, कौशल को विकसित करने के लिए सटीक जानकारी बहुत अधिक प्रासंगिक है जो केवल खुले वातावरण में शिक्षार्थियों के लिए प्रस्तुत की जाती है।

Fig 5

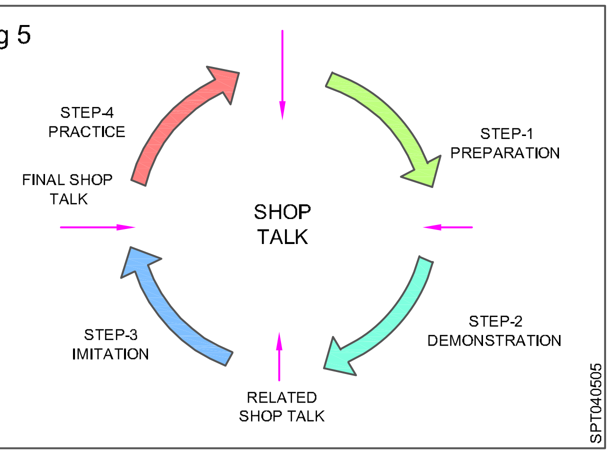

शिक्षण चक्र के संबंध में, शॉप टॉक को उस उद्देश्य के अनुसार विभेदित किया जा सकता है जो वे शिक्षण चक्र में कार्य करते है। वो है

- परिचायात्मक शॉप टॉक
- संबंधित शॉप टॉक
- अंतिम शॉप टॉक Fig 5. में दिखाया गया है

शॉप टॉक के प्रकार (Types of Shop talk)

परिचयात्मक शॉप टॉक (Introductory shop talk)

- नये कौशल शॉप टॉक
- कौशल का सटीक विवरण (कार्य के चरण और ड्राईंग का अभ्यास)
- कौशल से संबंधित जानकारी कठिन है (कौशल सूचना, कार्य के चरण और ड्राईंग का अभ्यास)
- सामग्री, औजार, मशीनों का प्रदर्शन
- कौशल का प्रदर्शन

शॉप टॉप से संबंधित (Related shop talk)

- कार्यशील चरणों को निष्पादित करने में प्रगति के मामले की प्रशंसा करें।
- सीखने की कठिनाइयों की स्थिति का निदान करना।
- कार्यशील चरण मशीन के संचालन, औजारों और सामग्रियों की विशेषताओं से संबंधित कठिनाइयों के मामले में परामर्श करना।
- विशिष्ट कार्य को कैसे करना है कि जानकारी देना।
- बुनियादी कार्य की जानकारी देना जैसे सुरक्षा नियम, ऊर्जा की बचत आदि।

अंतिम शॉप टॉक (Final shop talk)

- कार्य पर नियंत्रण
- अगले अभ्यास के लिए इसके चरणों के अनुसार अभ्यास के अर्थ का वर्णन करना।

- भविष्य में सुधार के लिए परामर्श के साथ व्यक्तिगत प्रतिक्रिया लेना।

एक शॉप टॉक में व्यक्तिगत प्रशिक्षु से एक से अधिक या छोटे समूह (6 प्रशिक्षुओं तक) को बता सकते है।

एक परिचयात्मक शॉप टॉक में हमेशा एक छोटे समूह को दी जाती है जबकि अंतिम शॉप टांक से संबंधित जानकारी व्यक्तिगत, छोटे समूह के जोड़े में दी जा सकती है। यह दिए गए परिस्थितियों पर निर्भर करती है।

प्रत्येक प्रकार शॉप टॉक की प्रस्तुति की तैयारी के लिए निम्नलिखित चरण प्रस्तावित है। आप अपने अनुभव और अपनी आवश्यकताओं के अनुसार संशोधित किया जा सकता है।

चरण 1: मूल विचार (Basic considerations)

- जानकारी (विशेष उद्देश्य, अनुदेशात्मक गतिविधियाँ, कौशल की जानकारी, कार्यकारी चरण, ड्राईंग का अभ्यास) की सहायता के साथ उद्देश्य निर्धारित करते है, अपनी कक्षा में संसाधन की आवश्यकता/उपलब्धता पर विचार कर पूर्व जानकारी और क्षमताओं को देखते हुए वर्णन करते है।
- यह बहुत महत्वपूर्ण है कि प्रशिक्षुओं के हाथ में कौशल सूचना शीट, विशेष उद्देश्य, ड्राईंग की अभ्यास और कार्यशील चरणों की जानकारी होना चाहिए।
- विशेष रूप से कौशल सूचना शीट शिक्षण उपकरण के समान होता है। उन्हें इसका उपयोग करने और महत्त्वपूर्ण जानकारी देने, नये लोगों को जोड़ने और कार्यत्मक संबंधों की व्याख्या करने की अनुमति प्रदान करता है।

प्रशिक्षुओं को कौशल की “क्या”, “कैसे” और “क्यों” से संबंधित होने के लिए आपकी शापटाक की आवश्यकता है।

चरण 2: सामग्री की व्यवस्था (Organize the content)

- मुख्य शब्दों को सेट करें, तार्किक अनुक्रम और आपके लिए आवश्यक शिक्षण सामग्री खोजें।

चरण 3: योजना की तैयारी करना (Prepare the plan)

- आपने विषय सामग्री क्रमबद्ध करें तथा प्रमुख प्रश्न रखें, विषय सामग्री के तत्वों को शिक्षण उपकरण से मिलान होना चाहिए, प्रशिक्षु को व्यवहार को समझना चाहिए और यह सुनिश्चित करें कि प्रशिक्षुओं ने बात को कैसे समझा है।

चरण 4: स्वयं को तैयार करें (Prepare yourself)

- किसी सहकर्मी या टेप रिकार्डर या आंतरिक भाषण पर अपनी बात का अभ्यास करें।

चरण 5: वार्ता में उपस्थिति (Present the talk)

- यहाँ कुछ मूल बिंदु है।
- प्रशिक्षु की स्थिति आपके तरफ होना चाहिए, उनका सामना
- प्रथम बार मत करो। प्रशिक्षु को क्या कार्य करना है। समझाकर बताए।
- गलत या बुरी आदते या ज्ञान विलुप्त होना मुश्किल है।

चरण 6: अपनी बात की समीक्षा करें (Review your talk)

अगली बार इस वार्ता को बेहतर बनाने के लिए आपके द्वारा एकत्र की गई प्रतिक्रिया जानकारी का उपयोग करें और भविष्य की शापटाक को विकसित करने की आपकी क्षमता।

मॉडल प्रश्न (Model Questions)

सिद्धान्त 4.5

21 कौशल शिक्षण के लिए कौन सी विधि ज्यादा उचित है ?

A अध्याय विधि
B व्याख्या विधि
C योजना विधि
D प्रदर्शन विधि

22 कौशल शिक्षण चक्र में तीसरा चरण कौन सा है ?

A अभ्यास
B नकल
C प्रदर्शन
D अनुप्रयोग

23 शिक्षार्थी के प्रदर्शन को सुधारने के लिए प्रशिक्षक को कौन सा कदम उठाना चाहिए ?

A प्रस्तुतिकरण
B नकल
C अनुप्रयोग
D अभ्यास

24 प्रशिक्षक को प्रदर्शन के लिए पूर्व प्रदर्शन की क्यों आवश्यकता है ?

A समय बचाने के लिए
B तुरंत सीखने के लिए
C स्वयं तरीका (own style) विकसित करने के लिए
D चरण या क्रम की समान चरणबद्ध करने के लिए

25 कौन सी प्रक्रिया शिक्षार्थी द्वारा कौशल की प्रदर्शन को बनाता है?

A संज्ञात्मक प्रक्रिया
B ध्यान केन्द्रित की प्रकिया
C प्रेरणा की प्रक्रिया
D मनोप्रेरणा प्रक्रिया

26 प्रशिक्षक को कौशल सीखने की कठिनाईयों के लिए उपचारात्मक निर्देश कब दिया जाना है ?

A प्रदर्शन के दौरान
B परिचयात्मक शॉप टॉक
C अंतिम शॉप टॉक
D शॉप टाक से जुड़ना